इस्पात मंत्रालय

मांग संख्या 92

इस्पात मंत्रालय

क. वसूलियॉ और प्राप्तियॉ को घटाने के बाद बजट आबंटन इस प्रकार है:

(करोड़ रुपए)

		वास्तविक 2011-2012			बजट 2012-2013			संशोधित 2012-2013			बजट 2013-2014		
मुख्य शीर्ष		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
राजस्व		9.63	64.41	74.04	46.00	69.29	115.29	26.49	214.48	240.97	46.00	66.87	112.87
पूंजी		**...**	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
जोड़		**9.63**	**64.41**	**74.04**	**46.00**	**69.29**	**115.29**	**26.49**	**214.48**	**240.97**	**46.00**	**66.87**	**112.87**
1. सचिवालय- आर्थिक सेवाएं	3451	...	16.90	16.90	...	20.00	20.00	...	20.22	20.22	...	22.02	22.02
लौह तथा इस्पात उद्योग													
2. लौह तथा इस्पात क्षेत्र में शोध और विकास संवर्धन													
2.01 लौह तथा इस्पात क्षेत्र में शोध और विकास संवर्धन योजना - चल रही शोध और विकास परियोजनाएं	2852	9.63	...	9.63	44.00	...	44.00	26.49	...	26.49	12.00	...	12.00
2.02 कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड इस्पात शीट और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पाद (नया घटक) के लिए प्रौद्योगिकी विकास	2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	32.00	...	32.00
2.03 नवाचारी लोहा और इस्पात निर्माण प्रक्रिया प्रौद्योगिकी विकास (विद्यमान योजना के तहत नई परियोजनाएं)	2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	2.00	...	2.00
जोड़- लौह तथा इस्पात क्षेत्र में शोध और विकास संवर्धन		*9.63*	*...*	*9.63*	*44.00*	*...*	*44.00*	*26.49*	*...*	*26.49*	*46.00*	*...*	*46.00*
3. निम्न श्रेणी के लौह अयस्क और अयस्क चूर्ण के लाभार्थ और संकुलन के संवर्धन की योजना	2852	...	...	...	1.00	...	1.00	...	...	...	...	...	...
4. द्वितीयक इस्पात क्षेत्र की ऊर्जा दक्षता का सुधार योजना	2852	...	...	...	1.00	...	1.00	...	...	...	...	...	...
5. सब्सिडी													
5.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी	2852	...	44.11	44.11	...	46.90	46.90	...	44.11	44.11	...	44.11	44.11
5.02 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों के संबंध में मैकॉन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी	2852	...	2.71	2.71	...	1.64	1.64	...	...	...	...	...	...
जोड़- सब्सिडी		*...*	*46.82*	*46.82*	*...*	*48.54*	*48.54*	*...*	*44.11*	*44.11*	*...*	*44.11*	*44.11*

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2011-2012			बजट 2012-2013			संशोधित 2012-2013			बजट 2013-2014		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
6. गारंटी शुल्क माफ करना													
6.01 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	2852	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10	...	6.10	6.10
6.02 मैकॉन लिमिटेड	2852	...	0.85	0.85	...	0.50	0.50	...	...	...	...	...	...
6.03 घटाइए – निवल प्राप्तियां	0075	...	-6.95	-6.95	...	-6.60	-6.60	...	-6.10	-6.10	...	-6.10	-6.10
	कुल	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
7. बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज के तहत बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लि. को अनुदान	2852	...	...	...	...	...	...	...	149.45	149.45	...	...	...
8. अन्य कार्यक्रम	2852	...	0.69	0.69	...	0.75	0.75	...	0.70	0.70	...	0.74	0.74
जोड़-लौह तथा इस्पात उद्योग		**9.63**	**47.51**	**57.14**	**46.00**	**49.29**	**95.29**	**26.49**	**194.26**	**220.75**	**46.00**	**44.85**	**90.85**
9. सरकारी उद्यमों में निवेश	6852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
कुल जोड़		***9.63***	***64.41***	***74.04***	***46.00***	***69.29***	***115.29***	***26.49***	***214.48***	***240.97***	***46.00***	***66.87***	***112.87***

	विकास शीर्ष	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़
ख. सार्वजनिक उद्यम में निवेश													
9.01 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड	12852	...	11021.00	11021.00	...	14500.00	14500.00	...	12000.00	12000.00	...	13000.00	13000.00
9.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	12852	...	1896.45	1896.45	...	1942.00	1942.00	...	1365.86	1365.86	...	2216.14	2216.14
9.03 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	12852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
9.04 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड	12852	...	1533.59	1533.59	...	4655.00	4655.00	...	2814.00	2814.00	...	4084.00	4084.00
9.05 कुद्रेमुख लौह अयस्क कंपनी लिमिटेड	12852	...	51.52	51.52	...	409.00	409.00	...	40.00	40.00	...	95.00	95.00
9.06 मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड	12852	...	49.91	49.91	...	208.00	208.00	...	103.74	103.74	...	207.63	207.63
9.07 बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज	12852	...	4.40	4.40	...	...	...	...	...	...	...	...	...
9.08 मैकॉन लिमिटेड	12852	...	2.38	2.38	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00
9.09 एमएसटीसी लिमिटेड	12852	...	4.77	4.77	...	25.00	25.00	...	20.00	20.00	...	65.00	65.00
9.10 फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	12852	...	10.71	10.71	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00
जोड़		**...**	**14574.73**	**14574.73**	**...**	**21756.00**	**21756.00**	**...**	**16360.60**	**16360.60**	**...**	**19684.77**	**19684.77**
ग. योजना परिव्यय													
1. लोहा और इस्पात उद्योग	12852	9.63	14574.73	14584.36	46.00	21756.00	21802.00	26.49	16360.60	16387.09	46.00	19684.77	19730.77

1. **सचिवालय:** प्रावधान इस्पात मंत्रालय के सचिवालय व्यय को पूरा करने के लिए है।

2. **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का संवर्धन ।:**

2.01. **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की संवर्धन स्कीम – चल रही आर एंड डी परियोजनाएं:** पर्यावरण के अनुकूल गुणवत्तापरक इस्पात के किफायती उत्पादन के लिए अभिनव/उत्कृष्ट प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु अनुसंधान एवं विकास कार्यों को बढ़ावा देने और इनमें तेजी लाने के लिए प्रावधान किया गया है।

2.02. **कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित अभिनव स्टील उत्पादों (नए घटक) के लिए प्रौद्योगिकी का विकास:** कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड (सीआरजीओ) स्टील शीटों और अन्य मूल्यवर्धित अभिनव स्टील उत्पादों के लिए प्रौद्योगिकी विकास हेतु इस्पात मंत्रालय की वर्तमान आर एंड डी स्कीम के नए घटक हेतु प्रावधान किया गया है।

2.03. **नए लोहा/स्टील निर्माण की प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी का विकास (विद्यमान स्कीम के तहत नए परियोजनाएं):** नए लोहा/स्टील निर्माण की प्रक्रिया/प्रौद्योगिकी के विकास हेतु इस्पात मंत्रालय की वर्तमान आर एंड डी स्कीम के तहत एक नई परियोजना के लिए प्रावधान किया गया है।

5. **आर्थिक सहायताऐं:**

5.01. **हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड:** स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान के लिए।

6. **गारंटी शुल्क को माफ किया जाना:**

6.01. **हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड:** नकद साख और बैंक गारंटी तथा स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से जुटाए गए ऋणों के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी पर गारंटी शुल्क माफ करने के लिए।

8. **अन्य कार्यक्रम:** इसमें लोहा एवं इस्पात विकास आयुक्त (डीसीआई एंड एस), कोलकाता जो कि मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है के स्थापना व्यय तथा प्रसिद्ध धातुकर्मियों को वार्षिक आधार पर दिए जाने वाले पुरस्कार के प्रावधान शामिल हैं।

9. **सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में निवेश:** इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों द्वारा विभिन्न पूंजीगत स्कीमों के क्रियान्वयन के लिए प्रावधान किया गया है। यद्यपि सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर उद्यम स्कीमों के पूंजीगत व्ययों को अपने आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा करते हैं फिर भी वित्तीय दृष्टि से कमजोर कुछेक उद्यमों को इक्विटी निवेश और ऋणों के जरिए बजटीय सहायता प्रदान की जाती है।

9.01. **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड:** इसके 5 प्रमुख इस्पात संयंत्र हैं जो बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर एवं सेलम में स्थित हैं और मिश्र इस्पात संयंत्र दुर्गापुर में स्थित है। 16.2.2006 से इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी (इस्को) जिसका एकीकृत इस्पात संयंत्र बर्नपुर में है और जो सेल की सहायक कंपनी थी, का सेल में विलय कर दिया गया है तथा इसे इस्को स्टील प्लांट नाम दिया गया है। भारत रिफैक्ट्रीज लिमिटेड का विलय भी सेल के साथ किया गया है और इसका नाम अब सेल रिफैक्ट्रीज लिमिटेड है। सेल संयंत्रों/इकाइयों और इसकी सहायक कंपनियों के योजना परिव्यय को सेल के आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है। इनमें प्रमुख ये हैं:

(i) भिलाई इस्पात संयंत्र: कुल परिव्यय (5900.00 करोड़ रूपए) का प्रमुख भाग अर्थात 5300.00 करोड़ रू0 संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए है। शेष परिव्यय में 700.00 टीपीडी ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना, एचएजीसी, प्लेट मिल में पीवीआर, हॉट मेटल डिसल्फराइजेशन यूनिट, स्लैब कास्टर, आरएच डेगस्सेर, माइनिंग रेलवे ट्रैक-रावघाट जैसी स्कीमों तथा अन्य चल रही एवं नई स्कीमों के लिए है।

(ii) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के लिए 900.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें से संयंत्र के विस्तार के लिए 775.00 करोड़ रूपए निर्धारित किए गए हैं। इस परिव्यय में शामिल अन्य स्कीमों में बीएफ में बैल लैस टाप चार्जिंग सिस्टम की स्थापना, कांगड़ा में इस्पात प्रसंस्करण इकाई की स्थापना, बीएफ-3 के गैस क्लीनिंग प्लांट का सुधार/नवीनीकरण तथा अन्य छोटी स्कीमें शामिल हैं।

(iii) राउरकेला इस्पात संयंत्र के लिए 2400.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय में शामिल प्रमुख स्कीम में आरएसपी का विस्तार (2050.00 करोड़ रूपए) शामिल है। अन्य स्कीमें सीओबी संख्या 4 का पुनर्निर्माण, 700 टीपीडी ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना, कोक ओवन गैस होल्डर की स्थापना, एसएमएस-2 के बीओएफ कन्वर्टरों की एक साथ ब्लोकइंग, जगदीशपुर इस्पात परियोजना तथा चल रही एवं नई स्कीमें हैं।

(iv) बोकारो इस्पात संयंत्र के लिए 1425.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है जिसमें बोकारो इस्पात संयंत्र के विस्तार का खर्च (1200.00 करोड़ रूपए), कोक ओवन बैटरी 1 और 2 के पुनर्निर्माण, टर्बो ब्लोअर स्टेशन में टीबी की स्थापना, बीएफ-2 का उन्नयन, बेतिया में स्टील प्रोसेसिंग यूनिट तथा अन्य चल रही एवं नई स्कीमें शामिल हैं।

(v) इस्को स्टील प्लांट के लिए 1800.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। आईएसपी के विस्तार के लिए (1750.00 करोड़ रूपए), सीओबी संख्या 10 का पुनर्निर्माण के लिए और शेष राशि अन्य चल रही एवं नई स्कीमों के लिए हैं।

(vi) मिश्र इस्पात संयंत्र के लिए 25.00 करोड़ रू0 का है।

(vii) सेलम इस्पात संयंत्र के विस्तार के लिए 45.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है।

(viii) शेष 505.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान विश्वेश्वरया आयरन एंड स्टील लि0 (20.00 करोड़ रू0), सेल की केंद्रीय इकाइयों (350.00 करोड़ रू0), कच्चा माल प्रभाग (30.00 करोड़ रूपए), चंद्रपुर फैरो अलॉय प्लांट (105.00 करोड़ रूपए), और विभिन्न चल रही और नई स्कीमों/परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्य के लिए किया गया है।

9.02. **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड:** प्रमुख कच्ची सामग्री के स्रोतों से दूर और तत्कालीन सोवियत रूस से तकनीकी और वित्तीय सहायता से स्थापित भारत का यह पहला तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। तट आधारित होने के कारण इसका फायदा है कि यह आदान सामग्री का आयात और तैयार उत्पादों का निर्यात आसानी से कर सकता है। इस परियोजना की सभी इकाइयों को जुलाई, 1992 तक चालू कर दिया गया था। आर आई एन एल की उत्पादन क्षमता में विस्तार, ए एम आर

स्कीमों, कोक ओवन बैटरी सं. 4 (चरण-1 और 2), एयर सेपरेशन प्लांट, बीएफ-1 श्रेणी-1 और 2 मरम्मत कार्य, पुलवेराइज्ड कोल इन्जक्शन, लौह अयस्क खानों एवं कोकिंग कोल खानों का अधिग्रहण, 67.5 मेगावाट क्षमता की टी जी-5 विद्युत निकासी प्रणाली इत्यादि के लिए 2216.14 करोड़ रूपए का परिव्यय निर्धारित किया गया है। समस्त परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जाएगा। आरआईएनएल के परिव्यय में ओएमडीसी लि. और बीएसएलसी लि. नामक दो सहायक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के परिव्यय भी शामिल हैं जो तत्कालीन बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज के संघटक थे।

9.03. **हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड:** 1964 में निगमित इस कंपनी को आधुनिक इस्पात संयंत्रों का पूरा निर्माण कार्य करने और अवसंरचना के क्षेत्र में उन परियोजनाओं से संबंधित कार्य करने की विशेषज्ञता हासिल है जिनके लिए उच्च स्तर की आयोजना, समन्वय और आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है। एचएससीएल के लिए किसी योजना परिव्यय का प्रस्ताव नहीं किया गया है। इस पीएसयू की पुनर्संरचना करने पर सरकार विचार कर रही है।

9.04. **एन एम डी सी लिमिटेड:** एन एम डी सी देश का लौह अयस्क और हीरों का एक मात्र सबसे बड़ा उत्पादक है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड, लौह चूर्ण आदि जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन भी शुरू कर रही है। 4084.00 करोड़ रूपए के कुल योजना परिव्यय का अधिकांश भाग अर्थात् 3000.00 करोड़ रूपए को छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन के इस्पात संयंत्र के लिए निर्धारित किया गया है। योजना परिव्यय की शेष धनराशि बैलाडिला डिपाजिट 11 बी, कुमारस्वामी लौह अयस्क परियोजना, दौणिमल्लै और बैचेल्ली में पेलेटाइजेशन प्लांट, ए एम आर/ टाउनशिप तथा अनुसंधान एवं विकास स्कीम के लिए है।

9.05. **के आई ओ सी एल लिमिटेड:** केआईओसीएल लिमिटेड की स्थापना ईरान को निर्यात किए जाने हेतु लौह अयस्क सांद्रणों का उत्पादन करने के लिए की गई थी। 95.00 करोड़ रूपए का योजना परिव्यय मुख्यत: एएमआर स्कीमों, कोक ओवन संयंत्र, मंगलूर में स्थाई रेलवे साइडिंग विकसित करने और भारी सामान की हैंडलिंग संबंधी सुविधाओं के निर्माण के लिए किया गया है। अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन इत्यादि अन्य स्कीमों के रूप में शामिल की गई हैं।

9.06. **मॉयल लिमिटेड:** मॉयल लिमिटेड भारत सरकार और मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त स्वामित्व वाली कंपनी हैं। यह देश की मैंगनीज अयस्क की सबसे बड़ी उत्पादक है। आरआईएनएल के साथ फैरो मैंगनीज/सिलिको मैंगनीज प्लांट के लिए संयुक्त उद्यम, मुनसर, चिकला, बालाघाट, उकवा और गुमगांव खानों में वर्टिकल शॉफ्ट लगाने के लिए, एएमआर स्कीमों, टाउनशिप, अनुसंधान और विकास/व्यवहार्यता अध्ययनों में निवेश करने के लिए 207.63 करोड़ रूपये का परिव्यय दिया गया है। समस्त परिव्यय को कंपनी के आई एंड ईबीआर से पूरा किया जाएगा।

9.07. **बर्ड ग्रुप कंपनियां:** अक्टूबर, 1980 में भारत सरकार द्वारा अधिगृहीत बर्ड ग्रुप कंपनियां प्रमुख रूप से खनन से संबंधित कार्य और गहरे नल कूप लगाने तथा खनिज अन्वेषण से संबंधित कार्य कर रही हैं।

9.08. **मेकॉन लिमिटेड:** यह देश की आई एस ओ: 9001 प्रत्याभित प्रथम परामर्शदात्री और इंजीनियरी संगठन है। 5.00 करोड़ रूपए योजना परिव्यय करने के लिए विभिन्न स्थानों में कार्यालय परिसर/अतिथि गृह का विस्तार, रद्दोबदल और वृद्धि करने के लिए है।

9.09. **एम एस टी सी लिमिटेड:** यह कंपनी भारत सरकार की एक व्यापारिक कंपनी है जो फैरस स्क्रैप और एकीकृत इस्पात संयंत्रों में उत्पादन के दौरान उत्पन्न अन्य गौण सामग्रियों के निपटान तथा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और सरकारी विभागों के स्क्रैप और अधिशेष भंडारों के निपटान का कार्य करती है।

9.10. **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड:** एफएसएनएल, एमएसटीसी लि. की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है। कंपनी दुर्गापुर, राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापत्तणम और डोल्वी स्थित इस्पात संयंत्र से स्क्रैप की प्राप्ति और प्रसंस्करण का कार्य करती है।